STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

क्या है USA की ABCD रणनीति ?

International Relations
26 Apr 2009

Iran–US War: “ईरान ने सीजफायर के लिए भीख मांगी …” –
यूरेनियम पर क्या करेगा अमेरिका ? पूरी ABCD

1. हेगसेथ का दावा : ईरान ने दबाव में मांगा सीजफायर

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने प्रेस ब्रीफिंग में दावा
किया कि ईरान ने भारी सैन्य दबाव और नुकसान के बाद खुद सीजफायर की
मांग की। उनके मुताबिक अमेरिकी हमलों ने ईरान के मिसाइल , ड्रोन और
रक्षा सिस्टम को काफी कमजोर कर दिया, जिससे ईरान के पास बातचीत के
अलावा कोई विकल्प नहीं बचा। हालांकि , ईरान भी खुद को इस संघर्ष में “
विजेता ” बता रहा है, जिससे साफ है कि दोनों देश अपनी -अपनी रणनीतिक
कहानी दुनिया के सामने रख रहे हैं।

2. ABCD फॉर्मूला : अमेरिका की पूरी रणनीति

हेगसेथ के बयान के आधार पर अमेरिका की रणनीति को चार हिस्सों में
समझा जा सकता है।
Attack (हमला): अमेरिका ने ईरान के सैन्य ठिकानों , एयर डिफेंस , ड्रोन
नेटवर्क और नौसेना क्षमताओं को निशाना बनाया ताकि उसकी युद्ध
क्षमता कमजोर हो जाए।
Break (तोड़ना): इन हमलों का मकसद सिर्फ नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि
ईरान की सैन्य संरचना को इस हद तक तोड़ना था कि वह आगे युद्ध जारी
रखने की स्थिति में न रहे।
Ceasefire (युद्ध विराम): जब दोनों देशों को नुकसान बढ़ता दिखा, तब 2
हफ्ते का सीजफायर लागू किया गया, ताकि हालात को नियंत्रण में लाया
जा सके और बातचीत का रास्ता खुले।
Deal (डील): अब सबसे अहम चरण शुरू होता है —जहां परमाणु कार्यक्रम और
यूरेनियम जैसे मुद्दों पर असली बातचीत होगी।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

3. यूरेनियम पर असली टकराव

इस पूरे संघर्ष के बाद सबसे बड़ा मुद्दा ईरान का enriched uranium बन गया
है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने उच्च स्तर के संवर्धित
यूरेनियम को या तो खत्म करे या अंतरराष्ट्रीय निगरानी में सौंप
दे। अमेरिका का मानना है कि यह यूरेनियम आगे चलकर परमाणु हथियार
बनाने में इस्तेमाल हो सकता है। इसलिए उसने स??फ संकेत दिए हैं कि
अगर ईरान ने सहयोग नहीं किया, तो “any means necessary” यानी हर संभव तरीका
अपनाया जाएगा।

4. क्या अमेरिका यूरेनियम जब्त कर सकता है?

हेगसेथ ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका के पास ईरान के परमाणु
ठिकानों की जानकारी है और जरूरत पड़ने पर वह सीधे कार्रवाई कर सकता
है। इसमें स्पेशल फोर्सेज ऑपरेशन या एयर स्ट्राइक जैसे विकल्प
शामिल हो सकते हैं। हालांकि , यह मिशन बेहद जोखिम भरा होगा क्योंकि
ईरान के परमाणु ठिकाने गहराई में और सुरक्षित जगहों पर मौजूद हैं।
ऐसे में यह कदम एक बड़े युद्ध को फिर से भड़का सकता है।

5. सीजफायर सिर्फ अस्थायी “पॉज ”

अमेरिका ने साफ कर दिया है कि यह सीजफायर स्थायी समाधान नहीं है,
बल्कि केवल एक अस्थायी विराम है। अगर बातचीत असफल होती है या ईरान
शर्तें नहीं मानता , तो युद्ध फिर से शुरू हो सकता है। अमेरिकी सेना
को अलर्ट मोड पर रखा गया है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के
लिए तैयार रहने को कहा गया है।

6. जमीनी हकीकत और जोखिम

हालांकि अमेरिका ने जीत का दावा किया है, लेकिन जमीनी स्तर पर
स्थिति अभी भी जटिल बनी हुई है। ईरान की पूरी सैन्य क्षमता खत्म
नहीं हुई है —उसके मिसाइल , ड्रोन और क्षेत्रीय नेटवर्क अभी भी
सक्रिय हैं। इसके अलावा , मध्य पूर्व में उसके सहयोगी समूह भी इस
तनाव को और बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि सीजफायर के बावजूद खतरा
पूरी तरह टला नहीं है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

निष्कर्ष

अमेरिका -ईरान सीजफायर एक रणनीतिक ब्रेक है, न कि अंतिम समाधान।
हेगसेथ के दावों के बीच असली लड़ाई अब “डिप्लोमेसी बनाम परमाणु शक्ति ” की है। आने वाले समय में यह तय करेगा कि दुनिया शांति की ओर बढ़ेगी या फिर एक और बड़े और खतरनाक संघर्ष की तरफ।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias